अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2021) दिनांक : 18.12.2021

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 11

आचार्य श्री मघवागणी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)–

(क) मघवागणी की गद्यात्मक कृति कौन सी व कितने पद्य प्रमाण हैं?

(ख) मुनि मघवा को मोतीझारा कब व कहां हुआ?

(ग) मघवागणी का जन्म कब व किस नक्षत्र में हुआ?

(घ) मघवागणी ने कितने इंच लम्बे-चौड़े पत्र में 'अनुत्तरोपपातिक' सूत्र लिखा?

(ङ) जान-बूझकर ज्ञान के साथ की गई गुस्ताखी का मघवागणी ने किसे और क्या प्रायश्चित्त दिया?

(च) मघवागणी गुलाबसती को वैराग्यपूर्ण आगम-वाणी सुनाने प्रतिदिन कहां से विहार करके आते?

आचार्य माणकगणी (किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दें)–

(छ) माणकगणी से पूर्व साधु-साध्वियों के भार की क्या व्यवस्था थी?

(ज) माणकगणी के हिसार चातुर्मास में आने वाला विद्वान श्रावक किस विषय का अध्येता था और उसका कंठस्थ ज्ञान क्या था?

(झ) माणकगणी के 1952 जयपुर चातुर्मास में कितने गांवों के कितने यात्री दर्शनार्थ आए?

(ञ) माणकगणी साधारण साधु और अग्रणी अवस्था में कितने-कितने वर्ष रहे?

आचार्य श्री डालगणी (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)–

(ट) बालक डालचन्द ने साधु प्रतिक्रमण कहां व किसके सान्निध्य में सीखा?

(ठ) मुर्शिदाबाद निवासी धनपत सिंह जी दुगड़ ने डालमुनि से कौन से प्रश्न पुछे?

(ड) आपके व्याख्यान की जो प्रशंसा सुनी थी वह बहुत कम थी। आपकी व्याख्यान शैली और सौजन्य दोनों ही बेजोड़ है। डालमुनि से यह कथन किसने और कहां कहे?

(ढ) 1956 के चातुर्मास के प्रश्चात आचार्य डालगणी ने अपना मर्यादा महोत्सव कहां किया और उस समय कितने साधु-साध्वियां एकत्रित हुए?

(ण) आचार्य डालगणी ने अपने अंतिम प्रवास के समय कितने चातुर्मास और मर्यादा महोत्सव कहां किए?

आचार्य श्री मघवागणी–21

प्र. 2 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) वयोवृद्ध स्थानकवासी सन्त ने जयाचार्य से कहा–मघराज जी जैसे शिष्य को पाकर वस्तुतः आप सुपुत्रवान हो गए। उस समय जयाचार्य को सुझाव देते हुए उन्होंने क्या कहा और जयाचार्य पर उक्त कथन का क्या प्रभाव पड़ा?

(ख) मघवागणी से 'सारस्वत व्याकरण' का तत्संबंधी पूरा पाठ सुनकर पंडित जी और मघवागणी में क्या वार्तालाप हुआ संक्षेप में लिखे।

(ग) मघवागणी के शासनकाल में आछ के आगार पर की गई तपस्याओं का वर्णन करें।

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) मघवागणी के समग्र साहित्य का नामोल्लेख करते हुए विवेचन करें।

(ख) 'तिल मस अरू भंवरी लसुन, होत जीवणै अंग।
चल्यो जाय पर द्वीप में, लक्ष्मी तजै न संग।।' घटना प्रसंग लिखें।

प्र. 4 सिद्ध करें कि मघवागणी निर्भीक उत्तरदाता, चर्चा निष्णात एवं जन प्रभावक आचार्य थे। 10

अथवा

मघवागणी के अन्तिम काल की घटना प्रसंगों का वर्णन करें।

आचार्य श्री माणगणी–15

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) संक्षेप में स्पष्ट करें कि धर्मप्रिय बाबा की छत्र-छाया में बालक माणक की धार्मिक रूचि गहरी होती गई।

(ख) मुनि माणक ने अपने सैद्धान्तिक ज्ञानको प्रखर कैसे बनाया? लिखें।

(ग) संक्षेप में स्पष्ट करें कि मघवागणी की कृपादृष्टि माणकगणी के ऊपर पहले से चली आ रही थी।

प्र. 6 माणकगणी की जनोपकारी यात्राओं का वर्णन करें। 10

अथवा

माणकगणी के युवाचार्यकाल का वर्णन करते हुए मघवागणी द्वारा प्रदत्त शिक्षाओं का उल्लेख करें।

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) तब तो मेरे जैसे लोगों को इतने जूते पड़ेंगे कि धरती भी नहीं झेल पायेगी। यह कथन किसने किस संदर्भ में कहा?

(ख) कांकरोली के पंडित घनश्याम दास जी ने डालमुनि से प्रभावित होकर क्या कहा?

(ग) डालमुनि ने अग्रणी काल में किन-किन व्यक्तियों को दीक्षित किया? नाम लिखें।

प्र. 8 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) सिद्ध करें कि आ. डालगणी की पकड़ कभी अंधी नहीं होती थी। अपने कार्य की समीक्षा के लिए भी उनकी तैयारी रहती थी।

(ख) किशनलाल जी भंडारी आदि प्रमुख व्यक्तियों को पुरस्कार स्वरूप डालगणी ने चातुर्मास प्रदान किया उस घटना प्रसंग का वर्णन करें।

प्र. 9 आचार्य डालगणी के अग्रणी जीवन का निरीक्षण करने से स्पष्टता से जाना जा सकता है कि वह बहुत प्रभावशाली रहा। घटना प्रसंगों से सिद्ध करें। 12

अथवा

(क) डालगणी की 'तृतीय कच्छ' यात्रा का वर्णन करें

अथवा

(ख) 'दूध का जला' घटना प्रसंग से लेकर डालगणी द्वारा युवाचार्य नियुक्ति का सम्पूर्ण घटनाक्रम प्रस्तुत करें।

तुलसी प्रबोध–21

प्र. 10 कोई दो पद्यों का भावार्थ सहित लिखें– 14

(क) पा दीक्षा.....दोफार हो।।

(ख) आगम सम्पादन.....आधार हो।।

(ग) कम्यूटर.....जोड़ीदार हो।।

(घ) महाराजा.....अवधार हो।।

प्र. 11 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें– 7

(क) दियो अशान्त.....दिखा र हो।।

(ख) लल्लूजी.....तकदीरदार हो।।

(ग) सहज स्वच्छता.....बार हो।।

(घ) आगै बढ़यो.....अन्धार हो।।

तेरापंथ प्रबोध–9

प्र. 12 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) 'बदले युग की धारा' गीत वाला पद्य।

(ख) 'जय बोलो मघवा गणिवर की' गीत वाला पद्य।

(ग) 'जाग्रत धर्म हमारा, जीवित धर्म हमारा' गीत वाला पद्य।

(घ) 'वन्दना लो झेलो' गीत वाला पद्य।

(ङ) 'युनिवर्सिटी की मान्यता' वाला पद्य।